



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 155]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 14, 1989/श्रावण 23, 1911

No. 155]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 14, 1989/ SRAVANA 23, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं 155-आई टी सी (पी एन)/५५-९1

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1989

विषय --प्रदेश 1988-91, 1991 के लिए आयात निर्धारित नीति

फा सं 6/३५/९९-ई पी सी--वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1-आई टी सी (पी एन) 88-91 दिनांक 30 मार्च, 1988 के अन्तर्गत प्रकाशित
1988-91 की यथा नशोधित आयात निर्धारित नीति (खण्ड 1) को ध्यान दिया जा रहा है।

2 उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किये जायेंगे --

क्र सं	आयात निर्धारित नीति 1988-91 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं	संदर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1	66	अध्याय-19 शुल्क छूट स्कीम पैरा 220(2)	इस पैरे के अन्त में निम्नलिखित जो जोड़ा जायगा -- एक अतिरिक्त निर्धारित जो विषयवाची परिणामी उत्पाद का निर्धारित नहीं है परन्तु नियमित मदन/व्यापार मदन का स्तर रखता हो तो यह भी इस सूचिका का लाभ उठा सकता है बशर्त कि प्रविष्टि पुस्तक के पैरा 351(1) में निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो।"

1	2	3	4
2.	76	अध्याय-20 आयात-निर्यात पास बुक स्कीम पैरा 269-क	(1) इस पैरे में "विनिर्माता नियंत्रक" शब्दों के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— "और निर्यात मदन/व्यापार मदन" (2) इस पैरे के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— "निर्यात मदन/व्यापार मदन के मामले में, इस उपबन्ध की सुविधा, प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 351 (1) में निर्धारित शर्तों के अधीन उपलब्ध होगी"
3.	256	परिशिष्ट 13-इ क्रम सं. (8)	इस क्रम सं. पर आने वाले निर्यात उत्पाद का व्योरा निम्न प्रकार में संशोधित किया जाएगा :— "ऊनी और रेशमी कालीन, नमदे और दरिया (हाथ से बनी हुई)"

3. वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 2-आई टी सी (पी एन) 88-91 दिनांक 30 मार्च, 1988 के अन्तर्गत प्रकाशित तथा संशोधित प्रक्रिया पुस्तक, 1988-91 की ओर ध्यान दिया जाता है।

4. उक्त प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्र.सं.	प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 की पृष्ठ संख्या	संशोधन	संशोधन
1	2	3	4
1.	63	अध्याय 19 शुल्क छूट स्कीम उप पैरा 351 (3)	इस उप पैरे के बाद निम्नलिखित नया उप पैरा जोड़ा जाएगा :— "(4) एक अंतिम निर्यातक जो विपरीत परिणामी उत्पाद का विनिर्माता नहीं है परन्तु निर्यात मदन/व्यापार मदन का स्तर रखता हो, वह निम्नलिखित शर्तों के अधीन मध्यस्थ अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम की सुविधा का लाभ उठा सकता है :— (1) आवेदक निर्यात मदन/व्यापार मदन लाइसेंस के लिए अपने आवेदन पत्र में उस समर्थक विनिर्माता का नाम और पता घोषित करता है जो शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र/आयात निर्यात पास बुक में शामिल करने के लिए, अंतिम निर्यात उत्पाद में बदलने के लिए मध्यस्थ विनिर्माता द्वारा संभरित किये गये मध्यस्थ माल को प्राप्त करेगा, और (2) मध्यस्थ माल सामान्य केंद्रीय उत्पाद शुल्क गेट पास के तहत सीधे ही मध्यस्थ विनिर्माता के कारखाने से घोषित समर्थक विनिर्माता के कारखाने में ले जाया जाता है और उनकी रसीदों और खपत आदि का उचित रिकार्ड मध्यस्थ विनिर्माता द्वारा रखा जाता है।"

5. उपर्युक्त संशोधन लोकप्रिय में किए गये हैं।

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO : 155-ITC (PN)/88-91.

New Delhi, the 14th August, 1989

SUBJECT:— Import & Export Policy for April, 1988—March, 1991

File No. 6/39/88—EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy, 1988—91 (Vol. I) published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the said Policy at appropriate places indicated below:-

Sl. No. of the Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I)	Page No.	Reference	Amendments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	66	CHAPTER XIX DUTY EXEMPTION SCHEME PARA 220(2)	The following shall be added at the end of this Para:- "An ultimate exporter not being a manufacturer of the resultant product in question but holding the status of an Export House/Trading House can also avail of this facility subject to the fulfilment of the conditions stipulated in Para 351 (4) of the Handbook of Procedures."
2.	76	CHAPTER XX IMPORT-EXPORT PASS BOOK SCHEME PARA 269-A.	In this Para, after the words, "manufacturer-exporter", the following shall be inserted:— "and Export House/Trading House". (ii) At the end of this Para, the following shall be added:— "In case of Export House/Trading House, the facility of this provision will be available subject to the conditions stipulated in Para 351(4) of the Handbook of Procedures".
3.	256	APPENDIX 13-E S. NO. (viii)	The description of the export product in this S. No. shall be amended as under:— "woollen and silk carpets, druggets and durries (hand made)"

3. Attention is also invited to the Handbook of Procedures, 1988—91, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

4. The following amendments shall be made in the said Handbook at appropriate places indicated below:—

Sl. No. of Hand Book of Procedures, 1988-91	Page No.	Reference	Amendments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	63	CHAPTER XIX DUTY EXEMPTION SCHEME SUB-PARA 351(3)	After this Sub-Para, the following new sub-Para shall be added:— "(4). An ultimate exporter not being a manufacturer of the resultant product in question but holding the status of an Export House/Trading House can also avail of the facility of Intermediate Advance Licensing Scheme subject to the fulfilment of the following conditions:—

(1)	(2)	(3)	(4)
			(i) The applicant Export House/Trading House in his application for the licence declares the name and address of the supporting manufacturer who will receive the intermediate goods supplied by the intermediate manufacturer for conversion into the ultimate export product, for inclusion in the DEEC/Import-Export Pass Book; and
			(ii) The Intermediate goods are moved from the factory of the intermediate manufacturer directly to the factory of the declared supporting manufacturer under usual Central Excise Gate Passes and appropriate records of their receipts and their consumption etc. are maintained by the intermediate manufacturer."

5. The above amendments have been made in public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports